- उन्हें स्कूल क्लब, नाटक, थिएटर, या खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें, जहाँ वे दूसरों से अंग्रेजी सुनेंगे और उनको स्वयं अंग्रेजी बोलने का अवसर मिलेगा। इन अनुभवों के बारे में उन से बात करें।

- उनसे उनके भविष्य के बारे, और उनका क्या करने का सपना है, के बारे में बात करें। हो सकता है कि वे आपके सपनों के बारे में भी सुनना पसंद करें।

- उनके साथ शिक्षा-सम्बन्धी टी वी कार्यक्रम देखें और जो उन्होनें सीखा है, उस के बारे में बात करें।

- बिरादरी में अपनी पसंद के स्थानों और कार्यक्रमों पर जाएँ, जैसे कि पार्क, संग्रहालय, विरासत और प्राकृतिक इतिहास के स्थान, त्यौहार,समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम, इत्यादि। जो आपने जो अनुभव प्राप्त किए उन के बारे में बातचीत करें।

आप अपने बच्चों की, मातृभाषा और अंग्रेजी में सोचने और बोलने की योग्यता विकसित करने में उनकी बातें ध्यान और धैर्य से सुन कर और उनसे बातचीत कर के उनकी मदद कर सकते हैं।

VSB

"Talk: An Important Part of Learning"

[Hindi]

यह ब्रोशर वैनकूवर स्कूल बोर्ड के सैटलमेंट वर्कर्ज़ (VSB SWIS) द्वारा प्रायोजित किये गए कई ब्रोशरों में एक है। इसकी रचना कुछ ई.एस.एल. (ESL/ELL) शिक्षकों तथा वैनकूवर स्कूल बोर्ड के मल्टीकल्चरल लिएजों वर्कर्ज़ (VSB MCLW) ने की है।

Canada · British Columbia · WelcomeBC

यह ब्रोशर कनाडा और ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत की सरकार से धन के माध्यम से संभव बनाया गया है।

वार्तालाप करना: सीखने का एक महत्वपूर्ण अंग

"अंग्रेजी भाषा की कला का उद्देश्य है छात्रों को बोलने, सुनने, पढ़ने, लिखने, परखने और संसार में अर्थपूर्ण प्रस्तुति करने के माध्यम से उनके व्यक्तिगत और बौद्धिक विकास के लिए अवसर प्रदान करना और उन्हें समाज के सभी पहलुओं में प्रभावशाली ढंग से भाग लेने के लिए तैयार करना।"

बी. सी. शिक्षा मंत्रालय

बच्चे अनेकों विविध अनुभवों से सीख कर सोचना, लिखना और पढ़ना सीखते हैं। वे अपना जीवन जीकर और अन्य लोगों के साथ बातचीत कर के 'बात' करना सीखते हैं। वार्तालाप करना अत्यंत महत्वपूर्ण है और सोचविचार को विकसित करने में मदद करता है। बी.सी. के स्कूलों में, सुनना और बोलना दोनों ही महत्वपूर्ण योग्यताएं हैं और विद्यार्थी अपने छात्रकाल में इन्हें सदैव सीखते और इस्तेमाल करते रहते हैं।

सुननें और बोलने की योग्यताएं :

- बच्चों की समझने की शक्ति के विकास के लिए अत्यावश्यक हैं;
- पढ़ना और लिखना सीखने के लिए मौलिक हैं;
- शैक्षिक ज्ञान प्राप्त करने की नींव हैं;
- और सामाजिक योग्यताओं के विकास के लिए एक प्रमुख तत्व है।

सुनने और बोलने की योग्यता का विकास अध्यापक कुछ विशेष पाठों और क्रियाओं के द्वारा करते हैं जैसे कि :

- अध्यापक और केवल एक बच्चे के बीच सीधी बातचीत।
- जोड़ी में काम: इसमें दो छात्र एक दूसरे के साथ मिल कर कार्य पूरा करते हैं और उन्होंने जो समझा और जाना है उसे वे परस्पर और सारी कक्षा के साथ बाँटते हैं।
- ऐसी युक्तियाँ अपनाते हैं जिससे छात्रों को पता चलता है कि वे कैसे सोचते और सीखते हैं।

शिक्षा सम्बन्धी कई गतिविधियों में छात्रों को एक दूसरे से बात करने की जरूरत होती है। उदाहरण के लिए: पाठकों की नाट्यशाला, भूमिका अदा करना, समस्या को सुलझाना, अभिनय, सामूहिक शोध प्रकल्प, तर्क और चर्चा करना ।

माता पिता घर में अपने बच्चों की सुनने और बोलने की योग्यता को कैसे विकसित कर सकते हैं?

- उनसे उनकी और अपनी दैनिक गतिविधियों और अनुभवों के बारे में बात करें। पूछें कि उन्होंने उस दिन स्कूल में क्या किया, उन्हें सबसे ज्यादा और सबसे कम क्या और क्यों पसंद आया। उनके जवाब सुनें।
- इकट्ठे बैठ कर पुस्तकों के बारे में बात करें। कहानी के पात्रों और घटनाओं पर चर्चा करें।
- उनकी सफलताओं और चिंताओं के बारे में बात करें।